आश्रम का अनुमानित व्यय 15

0750CH19

आरंभ में संस्था (आश्रम) में चालीस लोग होंगे। कुछ समय में इस संख्या के पचास हो जाने की संभावना है।

हर महीने औसतन दस अतिथियों के आने की संभावना है। इनमें तीन या पाँच सपरिवार होंगे, इसलिए स्थान की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि परिवारवाले लोग अलग रह सकें और शेष एक साथ।

इसको ध्यान में रखते हुए तीन रसोईघर हों और मकान कुल पचास हज़ार वर्ग फुट क्षेत्रफल में बने तो सब लोगों के लायक जगह हो जाएगी।

इसके अलावा तीन हज़ार पुस्तकें रखने लायक पुस्तकालय और अलमारियाँ होनी चाहिए।

दक्षिण अफ्रीका से लौटकर गांधी जी ने अहमदाबाद में एक आश्रम की स्थापना की, उसके प्रारंभिक सदस्यों तथा सामान आदि का विवरण इस पाठ में है।

कम-से-कम पाँच एकड़ ज़मीन खेती करने के लिए चाहिए, जिसमें कम-से-कम तीस लोग काम कर सकें, इतने खेती के औज़ार चाहिए। इनमें कुदालियों, फावड़ों और खुरपों की ज़रूरत होगी।

बढ़ईगिरी के निम्नलिखित औज़ार भी होने चाहिए—पाँच बड़े हथौड़े, तीन बसूले, पाँच छोटी

www.dreamtopper.in

हथौड़ियाँ, दो एरन, तीन बम, दस छोटी-बड़ी छेनियाँ, चार रंदे, एक सालनी, चार केतियाँ, चार छोटी-बड़ी बेधनियाँ, चार आरियाँ, पाँच छोटी-बड़ी संड़ासियाँ, बीस रतल कीलें—छोटी और बड़ी, एक मोंगरा (लकड़ी का हथौड़ा), मोची के औज़ार।

मेरे अनुमान से इन सब पर कुल पाँच रुपया खर्च आएगा।

रसोई के लिए आवश्यक सामान पर एक सौ पचास रुपये खर्च आएगा।

स्टेशन दूर होगा तो सामान को या मेहमानों को लाने के लिए बैलगाड़ी चाहिए।

मैं खाने का खर्च दस रुपये मासिक प्रति व्यक्ति लगाता हूँ। मैं नहीं समझता कि हम यह खर्च पहले वर्ष में निकाल सकेंगे। वर्ष में औसतन पचास लोगों का खर्च छह हज़ार रुपये आएगा।

मुझे मालूम हुआ है कि प्रमुख लोगों की इच्छा यह है कि अहमदाबाद में यह प्रयोग एक वर्ष तक किया जाए। यदि ऐसा हो तो अहमदाबाद को ऊपर बताया गया सब खर्च उठाना चाहिए। मेरी माँग तो यह भी है कि अहमदाबाद मुझे पूरी ज़मीन और मकान सभी दे दे तो बाकी खर्च मैं कहीं और से या दूसरी तरह जुटा लूँगा। अब चूँकि विचार बदल गया है, इसलिए ऐसा लगता है कि एक वर्ष का या इससे कुछ कम दिनों का खर्च अहमदाबाद को उठाना चाहिए। यदि अहमदाबाद एक वर्ष के खर्च का बोझ उठाने के लिए तैयार न हो, तो ऊपर बताए गए खाने के खर्च का इंतज़ाम मैं कर सकता हूँ। चूँकि मैंने खर्च का यह अनुमान जल्दी में तैयार किया है, इसलिए यह संभव है कि कुछ मदें मुझसे छूट गई हों। इसके अतिरिक्त खाने के खर्च के सिवा मुझे स्थानीय स्थितियों की जानकारी नहीं है। इसलिए मेरे अनुमान में भूलें भी हो सकती हैं।

यदि अहमदाबाद सब खर्च उठाए तो विभिन्न मदों में खर्च इस तरह होगा—

- किराया—बंगला और खेत की ज़मीन
- किताबों की अलमारियों का खर्च
- बढ़ई के औज़ार
- मोची के औज़ार

> अहमदाबाद में स्थापित आश्रम का संविधान स्वयं गांधी जी ने तैयार किया था। इस संविधान के मसविदे से पता चलता है कि वह भारतीय जीवन का निर्माण किस प्रकार करना चाहते थे।

www.dreamtopper.in

घरेलू सामान

चार पतीले–चालीस आदमियों का खाना बनाने के योग्य; दो छोटी पतीलियाँ–दस आदमियों के योग्य; तीन पानी भरने के पतीले या ताँबे के कलशे; चार मिट्टी के घड़े; चार तिपाइयाँ; एक कढ़ाई; दस रतल खाना पकाने योग्य; तीन कलछियाँ; दो आटा गूँधने की परातें; एक पानी गरम करने का बड़ा पतीला; तीन केतलियाँ; पाँच बाल्टियाँ या नहाने का पानी रखने के बरतन; पाँच पतीले के ढक्कन; पाँच अनाज रखने के बरतन; तीन तइयाँ; दस थालियाँ; दस कटोरियाँ; दस गिलास; दस प्याले; चार कपड़े धोने के टब; दो छलनियाँ; एक पीतल की छलनी; तीन चक्कियाँ; दस चम्मच; एक करछा; एक इमामदस्ता–मूसली; तीन झाड़ू; छह कुरसियाँ; तीन मेज़ें; छह किताबें रखने की अलमारियाँ; तीन दवातें; छह काले तख्ते; छह रैक; तीन भारत के नक्शे; तीन दुनिया के नक्शे; दो बंबई अहाते के नक्शे; एक गुजरात का नक्शा; पाँच हाथकरघे; बढ़ई के औज़ार; मोची के औज़ार; खेती के औज़ार; चार चारपाइयाँ; एक गाड़ी; पाँच लालटेन; तीन कमोड; दस गद्दे; तीन चैंबर पॉट; चार सड़क की बत्तियाँ। *(वैशाख बदी तेरह, मंगलवार, 11 मई, 1915)*

www.dreamtopper.in

- चौके का सामान
- एक बैलगाड़ी या घोड़ागाड़ी
- एक वर्ष के लिए खाने का खर्च–
  छह हज़ार रुपया

मेरा खयाल है कि हमें लुहार और राजमिस्त्री के औज़ारों की भी ज़रूरत होगी। दूसरे बहुत से औज़ार भी चाहिए, किंतु इस हिसाब से मैंने उनका खर्च और शिक्षण–संबंधी सामान का खर्च शामिल नहीं किया है। शिक्षण के सामान में पाँच–छह देशी हथकरघों की आवश्यकता होगी।

❑ ***मोहनदास करमचंद गांधी***

Rationalised 2023-24

प्रश्न–अभ्यास

लेखा–जोखा

1. हमारे यहाँ बहुत से काम लोग खुद नहीं करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। लेकिन गांधी जी पेशेवर कारीगरों के उपयोग में आनेवाले औज़ार– छेनी, हथौड़े, बसूले इत्यादि क्यों खरीदना चाहते होंगे?

2. गांधी जी ने अखिल भारतीय कांग्रेस सहित कई संस्थाओं व आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनकी जीवनी या उनपर लिखी गई किताबों से उन अंशों को चुनिए जिनसे हिसाब–किताब के प्रति गांधी जी की चुस्ती का पता चलता है।

3. मान लीजिए, आपको कोई बाल आश्रम खोलना है। इस बजट से प्रेरणा लेते हुए उसका अनुमानित बजट बनाइए। इस बजट में दिए गए किन–किन मदों पर आप कितना खर्च करना चाहेंगे। किन नयी मदों को जोड़ना–हटाना चाहेंगे?

4. आपको कई बार लगता होगा कि आप कई छोटे–मोटे काम (जैसे–घर की पुताई, दूध दुहना, खाट बुनना) करना चाहें तो कर सकते हैं। ऐसे कामों की सूची बनाइए, जिन्हें आप चाहकर भी नहीं सीख पाते। इसके क्या कारण रहे होंगे? उन कामों की सूची भी बनाइए, जिन्हें आप सीखकर ही छोड़ेंगे।

5. इस अनुमानित बजट को गहराई से पढ़ने के बाद आश्रम के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में क्या–क्या अनुमान लगाए जा सकते हैं?

www.dreamtopper.in

भाषा की बात

1. **अनुमानित** शब्द **अनुमान** में **इत** प्रत्यय जोड़कर बना है। इत प्रत्यय जोड़ने पर अनुमान का **न** **नित** में परिवर्तित हो जाता है। नीचे–इत प्रत्यय वाले कुछ और शब्द लिखे हैं। उनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए कि क्या परिवर्तन हो रहा है–

प्रमाणित	व्यथित	द्रवित	मुखरित
झंकृत	शिक्षित	मोहित	चर्चित

इत प्रत्यय की भाँति **इक** प्रत्यय से भी शब्द बनते हैं और तब शब्द के पहले अक्षर में भी परिवर्तन हो जाता है, जैसे–**सप्ताह** + **इक** = **साप्ताहिक**। नीचे इक प्रत्यय से बनाए गए शब्द दिए गए हैं। इनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए कि क्या परिवर्तन हो रहा है–

मौखिक	संवैधानिक	प्राथमिक
नैतिक	पौराणिक	दैनिक

2. **बैलगाड़ी** और **घोड़ागाड़ी** शब्द दो शब्दों को जोड़ने से बने हैं। इसमें दूसरा शब्द प्रधान है, यानी शब्द का प्रमुख अर्थ दूसरे शब्द पर टिका है। ऐसे समास को तत्पुरुष समास कहते हैं। ऐसे छह शब्द और सोचकर लिखिए और समझिए कि उनमें दूसरा शब्द प्रमुख क्यों है?

www.dreamtopper.in

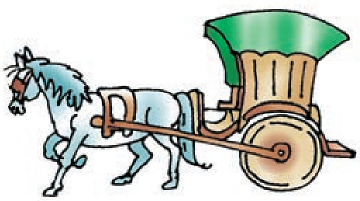

शब्दकोश

यहाँ आपके लिए एक छोटा सा शब्दकोश दिया गया है। इस शब्दकोश में वे शब्द हैं जो विभिन्न पाठों तथा उससे जुड़े हुए शब्द हैं, जो आपके लिए नए हो सकते हैं। किसी-किसी शब्द के कई अर्थ होते हैं। पाठ के संदर्भ से जोड़कर आप यह अनुमान खुद लगा सकते हैं कि कौन सा अर्थ ठीक है।

तुम देखोगे कि शब्द के अर्थ से पहले विभिन्न प्रकार के अक्षर-संकेत दिए गए हैं। इन संकेतों से हमें शब्दों की व्याकरण संबंधी जानकारी मिलती है। नीचे दी गई सूची की मदद से आप इन अक्षर-संकेतों को समझ सकते हैं–

अ.	–	अव्यय	अ.क्रि.	–	अकर्मक क्रिया
क्रि.	–	क्रिया	स.क्रि.	–	सकर्मक क्रिया
सं.	–	संज्ञा	वि.	–	विशेषण
पु.	–	पुल्लिंग	फ़ा	–	फ़ारसी
स्त्री.	–	स्त्रीलिंग			

अतिशय-(वि.)बहुत
अधित्यकाएँ-(स्त्री.)पहाड़ के ऊपर की समतल भूमि, 'टेबललैंड'
अप्रतिभ-(वि.)अन्यमनस्क, उदास, निराश, हतप्रभ
आकृष्ट-(वि.)आकर्षित
आजानुलंबित केश-(वि.)घुटनों तक लंबे बाल
आर्तक्रंदन-(पु.)दर्द भरी आवाज़ में रोना
आवन-(स.क्रि.)आना
आविर्भूत-वि.(सं.)प्रकट, उत्पन्न
इंद्रनील-(पु.)नीलकांत मणि, नीलम, नीलमणि, इंद्र का प्रिय रत्न
इल्ली-(स्त्री.)तितली के बच्चों का अंडे से निकलने वाला बाद का रूप
उचारै-(स.क्रि.)उच्चारण करना
उन्मुक्त-वि.(सं.)बंधन रहित, स्वतंत्र
उपत्यकाएँ-(स्त्री.)पहाड़ के पास की भूमि, तराई, घाटी
उमग्यो-(क्रि.)उमड़ना
उरिन-(वि.) ऋण मुक्त, उऋण

कटुक-वि(.सं.)कड़वी, कटु
कर्कश-(वि.)कठोर, उग्र
कर्णवेध-(वि.) कान छेदने का संस्कार या रस्म
कार्तिकेय-(सं.)कृत्तिका नक्षत्र में उत्पन्न शिव के पुत्र, देवताओं के सेनापति
कुब्जा-वि.स्त्री.(सं.)कुबड़ी, कंस की एक कुबड़ी दासी जिसकी टेढ़ी पीठ कृष्ण ने सीधी की थी
केका-स्त्री.(सं.) मोर की बोली
क्रूर-वि.(सं.)-निर्दय, हिंसक, कठोर
क्वार-(वि.)महीने का नाम-आश्विन
क्षीण-(वि.)दुर्बल, पतला
गरूर-पु.(अ.)गर्व, घमंड
घाम-(पु.)धूप
घेऊर-(स्त्री.)ताल में उपजनेवाली घासें
चंचु-प्रहार-चोंच से चोट करना
चिकोटी-(स्त्री.)चुटकी
छंद-(पु.)वर्ण, मात्रा, यति आदि के नियमों से युक्त वाक्य, अभिलाषा, इच्छा,अभिप्राय
डोंगर-(पु.)टीला, पहाड़ी
तजि-(स.क्रि.)तजना, छोड़ना
तरबतर-(वि.)लथपथ, डूबे हुए
तुषार-(सं.)बरफ़ 'हिम' का टुकड़ा
थामना-(स.क्रि.)पकड़ना
दस्तूर-(फ़ा.)तरीका, रीति
दामिन-(स्त्री.) दामिनी, बिजली
दुकेली-(वि.)जो अकेली न हो, जिसके साथ कोई और हो
द्युति-स्त्री.(सं.)चमक
द्विशाखा-(वि.)दो शाखाएँ
धकियाना-(स.क्रि.) धक्का देना
नवागंतुक-(वि.)नया-नया आया हुआ, नया अतिथि
निकसार-(पु.)निकास, निकलने का द्वार या मार्ग
निश्चेष्ट-(सं.)बिना प्रयास के, चेष्टा रहित, अचेत
निषेध-(अ.क्रि.)नकारना, मना करना
पक्षी-शावक-पु.(सं.)चिड़िया का बच्चा
परकाज-(वि.)उपकार, दूसरे का काम
पिंजरबद्ध-वि.(सं.)पिंजरे में बंद
पुनरुद्धार-(अ.क्रि)फिर से ऊपर उठाना, दोबारा उद्धार करना
प्रतिदान-(पु.)बदले में
फोकट-(वि.) मूल्यरहित, मुफ़्त
बंकिम-(वि.)बाँका, टेढ़ा
बंधुर-पु.(सं.)मुकुट
बदरिया-(स्त्री.)बादल
बदहवास-(वि.)घबराया हुआ
बलिहारी-(स्त्री.)निछावर होना
बारहा-अ.(फ़ा)बार-बार, अनेक बार
भद्द-(स्त्री.)उपहास, बुरी दशा
भाव-भंगी-(वि.)हाव-भाव
मंद्र-वि. (सं.)सुस्त, गंभीर, धीमा
मार्जारी-(स्त्री.)मादा बिल्ली
मुदित-(वि.)प्रसन्न
मूजी-वि.(अ.)कंजूस
मृदुल-(पु.)कोमल
मेह-(पु.)मेघ, बादल

www.dreamtopper.in

मोथा, साई
बनप्याज } (पु.) खेतों में उपजनेवाली घासों के नाम
नागर मोथा

विज्ञापित-(वि.)विज्ञापन में दिखाया गया

विनिहित-(वि.)रखा हुआ

विशूचिका-(स्त्री.)संक्रामक रोग, हैज़ा, चेचक

विस्मय-(वि.)आश्चर्य

व्यसन-पु.(सं.)बुरी आदत

शरद-(वि.)वर्षा के बाद और शिशिर ऋतु के पहले की ऋतु

संकीर्ण-वि.(सं.)सँकरा, छोटा, संकुचित

संगमरमर-(पु.) मुख्य रूप से मकराना, राजस्थान में पाए जाने वाला एक सफ़ेद सुंदर पत्थर जो इमारतों में लगाया जाता है।

संभ्रांत-(वि.)कुलीन, अच्छे कुल का

संशय-(वि.)आशंका, संदेह

सचहिं-(स.क्रि.)संचय, जमा करना

सबद-(पु.)शब्द

सरवर-(पु.)नदी

सरसब्ज़-(वि.)हराभरा

सरसाम-(पु.)सिहरन और कँपकपी के साथ बच्चों को होनेवाला बुखार

साफ़ा-(पु.)एक तरह की पगड़ी जो कुछ अधिक ऊँची होती है

साहबी ठिकानों-(वि.)समृद्ध/अमीर लोगों के घर

सीत-(स्त्री.)ओस के कण, शरद ऋतु

सुजान-(पु.)बुद्धिमान

सुणा-(स.क्रि.)सुनना

सुरम्य-वि.(सं.)मनोहर, अति रमणीय, सुंदर स्थान

सुहावन-(वि.)सुंदर

सूमो-(पु.)जापानी पहलवान

स्तबक-पु.(सं.)फूलों का गुच्छा

स्थिर-(वि.) गति रहित, अचल

स्नेहसिक्त-(वि.)प्रेम से भरा हुआ, स्नेह से भीगा हुआ

स्मृति-(स.क्रि.)याद

स्वपन-(पु.)स्वप्न, सपना

हर्ष गद्‌गद-पु.(सं.)प्रसन्नता से भरा हुआ

होड़ा-होड़ी-(स्त्री.)प्रतिस्पर्धा, दूसरे से आगे बढ़ जाने की चाह

Rationalised 2023-24

www.dreamtopper.in

टिप्पणी

www.dreamtopper.in

टिप्पणी

www.dreamtopper.in